E
Batch 2021-22

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : जून – २०२२

सत्र – २

विषय : प्राचीन काव्य – (भाग–२) (HDS - 202)

दि.: ०८/०६/२०२२ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.३०**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ मीराँबाई के आराध्य देव कृष्ण के विविध रुपों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

प्र. २ मीराँबाई की भक्ति पद्धति को सोदाहरण विशद कीजिए ।

प्र. ३ मीराँबाई के काव्य में गीतितत्व की अभिव्यक्ति को सविस्तार स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ४ कवि बिहारी के दोहों के आधार पर रीतिसिद्ध कवि के रुप में उनके काव्य का मूल्यांकन कीजिए ।

प्र. ५ बिहारी के काव्य में चित्रित सौंदर्य वर्णन को सोदाहरण विशद कीजिए ।

प्र. ६ संत नामदेव द्वारा रचित हिंदी पदों की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ७ संत तुकाराम की भक्ति भावना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्र. ८ मराठी संतों की हिंदी रचनाओं के स्वरुप पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ९ **निम्नलिखित अवतरणों में से किन्ही दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।**

१) रामनाम रस पी जै मनुवा, राम नाम रस पीजै।
तज कुसंग सतसंग बैठ णित हरिचरचा सुण ली जै ।

२) नहीं परागु, नहीं मधुर मधु, नहीं विकासु इहि काल ।
अली कली ही सौ बंध्यौ, आगे कौन हवाल ?

३) मन मेरी सुई, तन मोरा धागा,
खेचर जी के चरन पर नामा सिंपी लागा ।

४) या अनुरागी चित्त की गति समुझे नही कोइ ।
ज्यों बूडे स्याम रंग त्यों त्यों उज्वल होइ ।।

प्र.१० **निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।**

१) मीराँबाई के काव्य का सौंदर्य
२) बिहारी के काव्य में प्रकृति
३) वारकरी संप्रदाय
४) संत तुकाराम